भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2080 | मासिक पत्र: अगस्त 2023 | पृष्ठ: 5 | दिल्ली

कवि सम्मेलन

1 जुलाई 2023

भिवानी परिवार मैत्री संघ ने टेकनिया ऑडिटोरियम में भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया। सकरनी ग्रुप के चेयरमैन श्री अशोक गुप्ता, सोनोटेक ग्रुप के डायरेक्टर श्री राजेश ठुकराल, श्री लीला कृष्ण रल्हन तथा श्रेयांश कोटिंग लिमिटेड के चेयरमैन श्री संजय जैन ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

मुख्य अतिथि के रूप में मंच से बोलते हुए श्री अशोक गुप्ता ने मानव की संकल्प शक्ति के बारे में अपने विचार प्रकट किए। इस कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि श्री दिनेश रघुवंशी ने की और मंच का संचालन संस्था के प्रधान और अंतरराष्ट्रीय कवि श्री राजेश चेतन ने किया। श्री अनिल अग्रवंशी, श्री शंभू शिखर, श्री राजेंद्र कलकल, श्रीमती पद्मिनी शर्मा ने काव्य पाठ किया । पथमेड़ा गौशाला के महामंत्री श्री आलोक सिंघल ने दिल्ली में होने जा रहे पूज्य श्री दत्तशरणानंद जी महाराज के चातुर्मास के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री संस्था के महासचिव श्री दिनेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्री संजय जैन, संयुक्त सचिव श्री मनीष गोयल, श्री एन आर जैन, श्री रमेश गोयल, श्री सुनील शर्मा, श्री संजय गुप्ता का सक्रिय योगदान रहा । पूरे कार्यक्रम का संचालन संस्था के मीडिया सेक्रेटरी श्री प्रमोद शर्मा ने किया।

भिवानी परिवार मैत्री संघ की वस्त्र एवं वस्तु समिति द्वारा आयोजित वस्त्र एवं वस्तु संग्रह कैम्प 29 जुलाई 2023

वस्त्र एवं वस्तु संग्रह शिविर

भिवानी परिवार मैत्री संघ की वस्त्र एवं वस्तु समिति द्वारा 29 जुलाई 2023 को भिवानी परिवार मैत्री संघ की लाइब्रेरी जोकि प्रशांत विहार में स्थित है गूंज संस्था के सहयोग से एक वस्त्र एवं वस्तु संग्रह शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें बहुत से लोगों ने हिस्सा लिया और जरूरतमंदों के लिए भारी मात्रा मे सामग्री इकट्ठा की गई, जिसमें कपड़े, बर्तन, खिलौने, किताबें, फर्नीचर आदि बहुत सा सामान इकट्ठा हुआ और गूंज सरिता विहार भेजा गया जहां से जरुरतमन्द लोगों तक भेजा जाएगा ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका
BPMS NEWS
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्
सम्पादक
जगत नारायण भारद्वाज
सह-सम्पादक
सुनीता शर्मा व मनीष गोयल
प्रबंध-सम्पादक
सुश्री मंजीत मरवाहा
कार्यालय
भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)
प्लॉट-1, पॉकेट 8ए, बैंक ऑफ बड़ौदा के ऊपर, सैक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली-89
दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com
http://www.ebhiwani.com

जन्मदिन
की बधाई एवं शुभकामनाएं

2 AUG

श्री बृजलाल सर्राफ
(संरक्षक)

2 AUG

श्री अरूण शर्मा
(संरक्षक)

5 AUG

श्री नरेन्द्र सिंघानिया
(संरक्षक)

8 AUG

भिवानी गौरव
श्री गुलशन वर्मा

8 AUG

भिवानी गौरव
श्री पी.के. आनंद

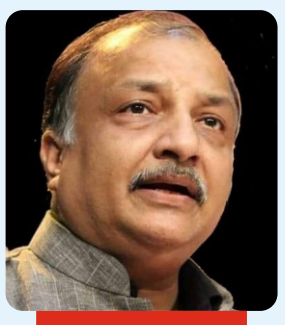

8 AUG

श्री राजेश चेतन
(प्रधान- BPMS)

8 AUG

श्रीमती सुमन जैन
चेयपर्सन, लायब्रेरी समिति

9 AUG

भिवानी गौरव
श्री अशोक शर्मा

13 AUG

श्री राज कुमार अग्रवाल
(संरक्षक)

13 AUG

श्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता
(संरक्षक)

13 AUG

श्री विवेक गुप्ता
(संरक्षक)

15 AUG

भिवानी गौरव
श्री आनंद प्रकाश

15 AUG

श्री स्वतंत्र कुमार
(संरक्षक)

16 AUG

श्री विनय सिंघल
(संयुक्त सचिव-BPMS)

28 AUG

श्री प्रतीक मोडा
(संरक्षक)

29 AUG

श्री महादेव जिंदल
(चेयरमैन, पीतमपुरा–1)

सावन का गीत-संगीत

मनजीत मरवाहा

'राधे झूलन पधारो, घिर आए बदरा "
और
अरे रामा बीता जाए सावनवा ।
ना आए बिरान वा रे हारी !!

सावन के महीने में लोकगीत कजरी को गाया जाता है। ज्यादातर इसमें विरह का वर्णन और राधा कृष्ण की लीलाओं का वर्णन होता है। तेरहवीं शताब्दी के सूफी शायर अमीर खुसरो की बहुप्रचलित रचना है –

“अम्मा मेरे बाबा को भेजो जी
कि सावन आया”

मुगल बादशाह बहादुरशाह जफर की रचना
" झूला किन डारो रे अमरैया " भी बहुत प्रचलित है /
भारतेन्दु हरीशचेन्द्र ने ब्रज और भोजपुरी के अलावा संस्कृत में भी कजरी की रचना की है। शास्त्रीय संगीत के गायको वादकों ने कजरी की पीड़ा को सुर दिए। फिल्में भी सावन के लोकगीत से अछूती नहीं रहीं। सचिनदेव बर्मन के संगीत में गीतकार शैलेन्द्र का लिखा 'नंदिनी' फिल्म का कजरी गीत आज भी लोगों के दिलों में बसा है। कुछ प्रदेशों में शादी के बाद पहला सावन लड़की अपने मायके में मनाती है।

“अबके बरस भेज भैया को बाबुल।
सावन में लीजो बुलाए रे।।
लौटेंगी जब मेरे बचपन की सखियां।
दीजो संदेशा भिजाए रे।।“

सावन के महीने में अनेक लोकगीत गाए बजाए जाते है-

“देखो सावन में हिंडोला,
झूले मन्दिर में गोपाल
राधा जी तहा पास बिराजे,
ठाड़ी ब्रज की बाल”

सावन में कजरी, झूला, चैती का अपना ही महत्व है ।

“सावन में झूलाओ झूला
हमारे बांके बिहारी को "

फिल्मी गाना -

“सावन के झूले पडे, तुम चले आओ”

इस लोकगीत में सावन, कान्हा और झूला का वर्णन'

‘झूले पे जाऊ बलिहार रसिया।
बड़े भाग सखी सावन आयो।
सखियों ने गाए मल्हार रसिया।। "

फ़िल्मों में सावन के गीतों का भरपूर प्रयोग किया गया है। गीतकारों ने सावन पर गीत लिखे तो उन्हें संगीतकारों ने स्वरबद्ध किया-
नूतन और सुनील दत्त पर फिल्माया गाना आज भी पसंदीदा सावन गीत है

"सावन का महीना, पवन करे सोर,
जियरा रे झूमे ऐसे, जैसे बन मा नाचे मोर”

सावन के कुछ चुनिंदा गीत है-

-सावन के झूले पड़े, तुम चले आओ

यह गीत फिल्म जुर्माना से है।

- कुछ कहता है ये सावन" फिल्म मेरा गांव मेरा देश से है।

वहीं चुपके चुपके फिल्म का गाना "अबके सजन सावन में " हो या फिर मैंजिल फिल्म का “रिमझिम गिरे सावन” इसे अमिताभ बच्चन और मौसमी चेटर्जी पर फिल्माया गया था। वहीं सुरेश वाडकर ने अपनी खूबसूरत आवाज सावन के इस गीत को दी –

“मेघा रे मेघा रे, मत परदेस जा रे”

यह 'प्यासा सावन' फिल्म का गाना है।
‘रिमझिम’ के गीत सावन गाए, गाए भीगी भीगी रातों में" अनजाना पिक्चर यह गाना मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर ने गाया।
सावन के महीने में जरूर कुछ खास बात है तभी तो फिल्म जगत के गीतकारों से लेकर संगीतकारो तक सभी के मन को भाता है यह सावन कस मौसम। सावन यानी, बारिश ये मौसम किसे पसन्द नहीं है । आसमान से बरसती बूंदे, पानी के बरसने की आवाज़, मिट्टी की भीनी भीनी सुगंध हर किसी का मन मोह लेती हैं। ऐसे मौसम में जहां घरों में पकोड़ों, चाय की फरमाइश होती है, वही सावन के गीत सुनने का भी सभी का मन करता है।
सावन का महीना तीज त्योहार का महीना है।
भजनों में भी सावन या जिक्र है –
"सावन का महीना, झुलावे चित्तचोर,
धीरे झुलो राधे, पवन करे शोर ।।“
सभी सावन के महीने का आनंद लें और इस महीने को उल्लास से मनाएँ।

भिवानी परिवार मैत्री ने तीसरा नि:शुल्क विशाल नेत्र व मोतियाबिंद ऑप्रेशन कैंप लगाया

छोटी काशी भिवानी वर्षो से नेत्र सर्जरी के लिए ना केवल भारत में, बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी अपनी पहचान बनाए हुए है। इसी पहचान को आगे बढ़ाए रखने के लिए भिवानी परिवार मैत्री संघ ने आंखों की जांच व मोतियाबिंद के नि:शुल्क आपरेशन शिविर का अभियान शुरू किया है, जिसके तहत बुधवार 19 जुलाई को तीसरा नि:शुल्क नेत्र जांच व मोतियाबिंद आपरेशन शिविर स्थानीय दादरी गेट स्थित श्रीकृष्ण प्रणामी आश्रम में लगाया गया। कैंप का शुभारंभ वरिष्ठजनों ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया । इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय कवि राजेश चेतन ने कहा कि कैंप की सफलता व मरीजों को मिलने वाले लाभ को देखते हुए अब हर माह के तीसरे बुधवार को गुरूग्राम के इंदिरा गांधी आई हॉस्पिटल एंड रिसर्च सैंटर की टीम द्वारा नेत्र जांच कैंप श्रीकृष्ण प्रणामी आश्रम में लगाया गया । यह कैम्प भिवानी परिवार के संरक्षक सदस्य श्री कपिल बगड़िया के परिवार के सहयोग से लगाया गया। सभी लाभार्थी मरीजों से अपील की कि वे भिवानी परिवार मैत्री संघ का सहयोग करें और कम से कम 5 अन्य जरूरतमंद लोगों को कैंप में अवश्य भेजे। बुधवार को 300 से अधिक लोगों को पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर टोकन दिए गए। सभी मरीजों को भिवानी से भोजन करवाकर गुरूग्राम के अस्पताल में ले जाया गया था, जहां पर सभी तरह का खाने-पीने, ठहरने व ऑप्रेशन का खर्चा नि:शुल्क था। सभी मरीजों को 15 दिन की दवाइयां भी दी गई। उन्होंने भिवानी परिवार मैत्री संघ के अध्यक्ष राजेश चेतन से अपील की कि यह कैंप मरीजों के लाभ हेतु लगातार लगाए जाने चाहिए। इस अवसर पर आयोजन समिति में संजय गुप्ता, सुनील शर्मा, संजय अग्रवाल, डा. बुद्धदेव आर्य, जगत नारायण भारद्वाज, मनोज शर्मा, मुकुंद जी महाराज, कमल गोयल का धन्यवाद।

कर्मकाण्ड के महान पण्डित श्री मुरारीलाल खरकिया

पितामह श्री शिवकरण जी रामठगे, पिता पंडित श्री विष्णुदत्त शर्मा, खरक, माता नान्ही देवी (रामराय) धर्मपत्नी चंद्रपति देवी(लेघे) अग्रज गोपीराम, संतति महावीरप्रसाद एम कॉम डी सी एल, भीष्मचंद्र एम एस सी , एम टेक, आशुतोष बी ए एम एस, पुत्रियां शकुंतला(ओमप्रकाश सांघी), गोमती(रामप्रताप शर्मा, एम ए भिवानी) शारदा (बालकृष्ण, हिंडोल) ।

प. मुरारीलाल शास्त्री जी शास्त्र - व्यसनी, परम आस्तिक एवं कर्मकांड के प्रति समर्पित व्यक्तित्व थे। आपने पंजाब विश्वविद्यालय लाहौर से शास्त्री परीक्षा उत्तीर्ण की और अपने विद्यानुराग से नाना शास्त्रों में तलरपर्शी पांडित्य एवं कर्मकांड में समाज को मार्गदर्शन कराने वाली कुशलता, परम कर्मठता, स्वाध्याय, श्रद्धा एवं समर्पण से प्राप्त की। वे शुक्ल यजुर्वेद त्रिस्कंध ज्योतिष, प्राच्य एवं नव्य व्याकरण, न्याय, वेदांत, धर्मशास्त्र एवं पुराणों में परम निष्णात थे। उनका व्यक्तित्व अत्यंत सरल था। समाज को अच्छे कर्मकांडी मिले, इसके लिए वे सदा अध्यापन के प्रति समर्पित थे।उन्होंने अपने हजारों विद्यार्थियों को निशुल्क पढ़ाया।स्वामी अखंडानंद जी ने एकबार विदेश से आए दो शिष्यों को इनके पास भेजा और इन्होंने भिवानी में दीक्षित किया। आजीविका हमेशा एक ही स्रोत से होनी चाहिए उनका ये सिद्धांत जीवन पर्यंत रहा।आप एक महान ज्योतिषी होने के बाद भी कभी भाग्यवादी नहीं अपितु कर्मयोगी बनने के लिए सबको प्रेरित करते थे।आपने सदा यही कहा कि कर्म से भाग्य बनता है भाग्य से कर्म नहीं।वे आलस्य को शरीर में स्थित परम शत्रु मानते थे।आप ऐसे दानशील थे जिसका आपके बांए हाथ को भी नहीं पता होता था कि आपने क्या दिया है।स्वर्गीय मुंशीराम जी जब तक ब्रह्मचर्यआश्रम में रहे खरकिया जी अवकाश लेकर भी विद्यार्थियों को पढ़ाने आते थे।उनका पारिवारिक रूप से उन्होंने संतानों एवं शिष्यों के साथ सदा मित्रवत व्यवहार करते हुए उन्हें सचेतन एवं संस्कारित किया। वे विशाल खरकिया परिवार के हित में सदा रचत चिंतनरत रहते थे एवं परिवार को सही मार्गदर्शन बिनमांगें भी देते रहते थे। अपनी उपेक्षा या मानापमान से वे सदा अप्रभावित रहे तथा जीवन भर भगवान शिव की उपासना, निष्काम कर्मयोग एवं लोकव्यवहार तथा अध्यात्म की ओर समाज को प्रेरित करने के प्रति समर्पित रहे। वे ८१ वर्ष की आयु समाजहित में बिता कर कैलाशवासी हुए।

जगत नारायण भारद्वाज

नवल जी को पुत्र शोक

भिवानी परिवार मैत्री संघ के निवर्तमान प्रधान श्री नवल किशोर गोयल के सुपुत्र श्री दीपक गोयल का 15 जुलाई को असामयिक देहावसान बहुत ही हृदय विदारक है।

बांके बिहारी जी के अनन्य सेवक और सामजिक सेवा मे निरंतर सक्रिय श्री नवल किशोर गोयल जी भिवानी परिवार मैत्री संघ के अटूट अंग है। नवल जी का परिवार सदैव संस्था के विकास कार्यों मे सक्रिय रहता है। आपके फार्म मे भिवानी परिवार की गत नौ वर्षों से आयोजित पारिवारिक पिकनिक और वनभोज कार्यक्रम मे पूरे परिवार का योगदान रहता है। दीपक गोयल इस कार्यक्रम को हमेशा भव्य बनाने मे लगे रहते थे। दीपक एक सफल व्यवसायी होने के साथ-साथ परिवार से विरासत मे प्राप्त सामाजिक सेवा के गुणों से परिपूर्ण थे। व्यवसाय मे आधुनिक तकनीक का उपयोग बखूबी से करते थे। भ्रमण करने का शौक रखते थे। लेकिन नियती के लिखे लेख ने उन्हे असमय हमसे छीन लिया।

जीवन में हमें अक्सर अत्यधिक खुशी और गहन दुःख के क्षणों का सामना करना पड़ता है। किसी प्रियजन को खोना, विशेषकर जवान बेटे को खोना, एक अतुलनीय दर्द है जो हमारे दिलों पर एक अमिट छाप छोड़ता है। माता-पिता के लिये बेटे को खोने का दर्द अत्यधिक होता है, जिससे अंधेरे से परे देखना मुश्किल हो जाता है। खुशी के समय की यादें, साझा की गई हंसी और एक साथ बुने गए सपने आंसुओं मिल जाते हैं। ऐसी पीड़ा के सामने, अर्थ ढूँढना एक असंभव कार्य जैसा लग सकता है। अपनों के साथ बिताए पल हमेशा के लिए अंतरात्मा चित्रपट पर अंकित हो जाते हैं। दुःख के लिए कोई समय सारिणी नहीं होती है।। आपके बेटे की आत्मा आपके द्वारा साझा किए गए प्यार और आपकी प्रिय यादों में जीवित रहेगी।

दुख की यात्रा में नवल जी का परिवार अकेले नहीं हैं बल्कि हार्दिक सहानुभूति और अटूट समर्थन के साथ भिवानी परिवार आपके साथ है

बीपीएमएस की सेवा समितियां

समिति	प्रभारी	चेयरमैन
मैट्रीमोनियल समिति	श्री राजेश चेतन	श्री सुनील बंसल
कैंसर केयर समिति	श्री दिनेश गुप्ता	श्रीमती मीनाक्षी गर्ग
वस्तु-वस्त्र समिति	श्री संजय जैन	श्री संजय गुप्ता
बिजनेस पाठशाला	श्री प्रमोद शर्मा	श्री सचिन मेहता
पर्यावरण समिति	श्री सुशील गनोत्रा	श्रीमती पूजा बंसल
अपना घर आश्रम समिति	श्री हंसराज रलहन	श्री सांवरमल गोयल
अंगदान-नेत्रदान समिति	श्री सुनील अग्रवाल	श्री एन आर जैन
शिक्षा समिति	श्री पवन मोडा	श्री संजय जैन
टुरिज़्म समिति	श्री मनीष गोयल	श्री उमेश मित्तल
स्वास्थ्य समिति	श्री विनय सिंघल	श्री वरुण मित्तल

चेतन वाणी

कवि राजेश चेतन

भोले शंकर से मुस्काना सीखो जी
रिश्तों का हर ताना बाना सीखो जी

खट्टी मीठी बातें तो घर में होंगी
प्रेम प्यार का राग सुनाना सीखो जी

दो या तीन के छोटे से परिवार हैं अब
इक दूजे से खूब निभाना सीखो जी

मानव ही क्या जीवमात्र से प्यार करो
सांपो को भी गले लगाना सीखो जी

चंदा की शीतलता मस्तक पर रख कर
प्रेम की गंगा नित्य बहाना सीखो जी

खुद पर खर्चा सीमित ही रखना अपना
उलझन को ऐसे सुलझाना सीखो जी

आँख तीसरी का मतलब सीधा-सादा
निज 'चेतन' को नित्य जगाना सीखो जी

पाठकों: इस पत्रिका में किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए हम क्षमा प्रार्थी हैं। आपकी प्रतिक्रया और सुझाव आमंत्रित हैं।
संपर्क : 9999305530, admin@ebhiwani.com

व्रत-त्योहार अगस्त 2023

▪ हरियाली तीज	: शनिवार, 19 अगस्त
▪ नाग पंचमी	: सोमवार 21 अगस्त
▪ गो0 तुलसीदास जयंती	: बुधवार 23 अगस्त
▪ रक्षाबंधन, श्रावणी-उपकर्म	: बुधवार 30 अगस्त